Mardi 6 mars 2012

HIN2B09b

(Compréhension de l'écrit)

Cours –5

गंगा मैया : काका कालेलकर फरवरी, 1926

हिन्दुस्तान में अनगिनत नदियाँ है, इसलिए संगमों का भी कोई पार नहीं हैं। इन सभी संगमों में हमारे पुरखों ने गंगा-यमुना का यह संगम सबसे अधिक पसन्द किया है, और इसीलिए उसका 'प्रयागराज' जैसा गौरवपूर्ण नाम रखा है। हिन्दुस्तान में मुसलमानों के आने के बाद जिस प्रकार हिन्दुस्तान के इतिहास का रूप बदला, उसी प्रकार दिल्ली-आगरा और मथुरा-वृन्दावन के समीप से आते हुए यमुना के प्रवाह के कारण गंगा का स्वरूप भी प्रयाग के बाद बिलकुल बदल गया है। गंगा कुछ भी न करती, सिर्फ देवव्रत भीष्म को ही जन्म देती, तो भी आर्य-जाति की माता के तौर पर वह आज प्रख्यात होती। ...

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही । नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघराजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जायें तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बड़ी हो और उसका प्रवाह धीरगंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहनेवालों की शानशौकत उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जन समाज की माता है। नदी-किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाय, तो हमें कितना आनंद होता है ! कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन ! दोनों के बीच का अंतर फौरन मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाला देवता है। यदि गुरु को वंदन करना आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।...

किन्तु गंगा के दर्शन का एक ही प्रकार नहीं है।... हरेक का सौंदर्य अलग, हरेक का भाव अलग, हरेक का वातावरण अलग, हरेक का माहात्म्य अलग। ... प्रयाग से गंगा अलग ही स्वरूप धारण कर लेती है। गंगोत्री से लेकर प्रयाग तक की गंगा वर्धमान होते हुए भी एक रूप मानी जा सकती है। किन्तु प्रयाग के पास उससे यमुना आकर मिलती है। यमुना का तो पहले से ही दोहरा पाट है। वह खेलती है, कूदती है, किन्तु क्रीड़ासक्त नहीं मालूम होती । गंगा शकुंतला जैसी तपस्वी कन्या दीखती है। काली यमुना द्रौपदी जैसी मानिनी राजकन्या मालूम होती है। ... हिन्दुस्तान में अनगिनत नदियाँ है, इसलिए संगमों का भी कोई पार नहीं हैं। इन सभी संगमों में हमारे पुरखों ने गंगा-यमुना का यह संगम सबसे अधिक पसन्द किया है, और इसीलिए उसका 'प्रयागराज' जैसा गौरवपूर्ण नाम रखा है। हिन्दुस्तान में मुसलमानों के आने के बाद जिस प्रकार हिन्दुस्तान के इतिहास का रूप बदला, उसी प्रकार दिल्ली-आगरा और मथुरा-वृन्दावन के समीप से आते हुए यमुना के प्रवाह के कारण गंगा का स्वरूप भी प्रयाग के बाद बिलकुल बदल गया है।

प्रयाग के बाद गंगा कुलवधू की तरह गंभीर और सौभाग्यवती दीखती है। इसके बाद उसमें बड़ी-बड़ी नदीयां मिलती जाती है। ...जनक और अशोक की, बुद्ध और महावीर की प्राचीन भूमि से निकल कर आगे बढ़ते समय गंगा मानो सोच में पड़ जाती है कि अब कहाँ जाना चाहिये। जब इतनी प्रचंड वारिराशि अपने अमोघ वेग से पूर्व की ओर बह रही हो, तब उसे दक्षिण की ओर मोड़ना क्या कोई आसान बात है ? फिर भी वह उस ओर मुड़ गई है सही। दो सम्राट या दो जगद्गुरु जैसे एकाएक एक-दूसरे से नहीं मिलते, वैसा ही गंगा और ब्रह्मपुत्रा का हाल है। ब्रह्मपुत्रा हिमालय के उस पार का सारा पानी लेकर आसाम से होती हुई पश्चिम की ओर आती है और गंगा इस ओर से पूर्व की ओर बढ़ती है। उनकी आमने-सामने भेंट कैसे हो ? कौन किसके सामने पहले झुके ? कौन किसे पहले रास्ता दे ? अंत में दोनों ने तय कि दोनों को दाक्षिण्य धारण कर सरित्पति के दर्शन के लिए जाना चाहिये और भक्ति-नम्र होकर, जाते-जाते जहां संभव हो, रास्ते में एक-दूसरे से मिल लेना चाहिये।

इस प्रकार गोआलंदो के पास जब गंगा और ब्रह्मपुत्रा का विशाल जल आकर मिलता है तब मन में संदेह पैदा होता है कि सागर और क्या होता होगा ? ... अनेक मुखों द्वारा वे सागर में जाकर मिलती है। हरेक प्रवाह का नाम अलग-अलग है और कुछ प्रवाहों के तो एक से भी अधिक नाम हैं। गंगा और ब्रह्मपुत्रा एक होकर पद्मा का नाम धारण करती हैं। यही आगे जाकर मेघना के नाम से पुकारी जाती है ।

यह अनेकमुखी गंगा कहाँ जाती है ? सुन्दरवन में बेंत के झुंड उगाने ? या सगर-पुत्रों की वासना को तृप्त कर उनका उद्धार करने? आज जाकर आप देंखेगे तो यहाँ पुराने काव्य का कुछ भी शेष नहीं होगा। जहाँ देखों वहाँ पटसन की बोरियां बनाने वाली मिलें और ऐसे ही दूसरे बेहूदे विश्री कल-कारखाने दीख पड़ेगें। जहाँ से हिन्दुस्तानी कारीगरी की असंख्य वस्तुएँ हिन्दुस्तानी जहाजों से लंका या जावा द्वीप तक जाती थीं, उसी रास्ते से अब विलायती और जापानी आगबोटें (स्टीमरें) विदेशी कारखानों में बना हुआ भद्दा माल हिन्दुस्तान के बाजारों में भर डालने के लिए आती हुई दिखाई देती हैं। गंगामैया पहले ही की तरह हमें अनेक प्रकार की समृद्धि प्रदान करती जाती है। किन्तु हमारे निर्बल हाथ उसको उठा नहीं सकते !

गंगामैया ! यह दृश्य देखना तेरी किस्मत में कब तक बदा है ?

Questions Quelle est l'importance du Gange ?

Pour les indiens quelle est leur relation (familial) avec le Gange. Relevez les qualités appropriées.

Quels sont les différents aspects (personnifiés) de son cours d'eau ? (para 3)

Comment est décrite la rencontre avec la Brahmapoutre ? Quel est l'effet de cette rencontre ?

Quels sont les différences entre les activités d'antan et les activités modernes au bord du Gange ?

Mardi 6 mars 2012

अनगिनत beaucoup, non dénombrable
संगम–f confluence
पुरखा–m ancêtre
गौरवपूर्ण prestigieux
समीप près
प्रवाह–m flot
स्वरूप–m forme
भीष्म personnage du mahabharata
प्रख्यात célèbre
उपमा–f comparaison
शोभा देना sied
अकाल–m famine
धोखा–m खाना / देना (se) tromper
फसल–f récolte
शुद्ध pure
शीतल frais
प्रकृति–f nature
मातृ वात्सल्य
अखंड entier
दर्शन–m vue, philosophie
धीरगंभीर pondéré, sérieux
शानशौकत–f splendeur
निर्भर करना dépendre
समाज–m société
एकाध un et demi
कोना–m coin तिकोना traingulaire
वायुमंडल–m atsmosphère
प्रसन्न content
अंतर–m différence
ईश्वर–m Dieu, Seigneur
देवता–m Divinité
वंदन–m poudja avec louange
प्रकार–m type
सौंदर्य–m beauté
वातावरण–m atmosphère, l'air
माहात्म्य–m grandeur, importance
धारण करना porter
वर्धमान croissant
दोहरा double
पाट–m rive
क्रीड़ासक्त épris du jeu
शकुंतला personnage mythologique
तपस्वी–m ascète
कन्या–f jeune fille
द्रौपदी femme des pandava
मानिनी–f femme fière
राजकन्या–f princesse
कुलवधू la mariée intégrant la famille
सौभाग्यवती chanceuse
जनक–m géniteur
अशोक empeureur ashok
महावीर Tirthankar
प्राचीन ancien
सोच–f में पड़ना forcé à refléchir
प्रचंड intense, fort
वारि–m eau
राशि–f quantité
अमोघ infaillible
वेग–m vitesse
सही correct
होते हुए en passant par
आमने-सामने en face
झुकना pencher
तय करना décider
दाक्षिण्य–m अनुकूलता–f le fait d'être convenable
धारण करना porter
सरित्पति–m océan
भक्ति–f dévotion
नम्र courtois, humble
संदेह–m doute
अनेक मुख multiple bouches /delta
सागर–m mer
सुन्दरवन forêt entre Inde et Bengladesh
बेंत–m rotin
झुंड–m groupe
उगाना faire pousser
सगर personnage mythologique
वासना–f désir
तृप्त करना satisfaire
उद्धार करना délivrer
काव्य–m poésie
शेष–m reste
पटसन–m jute
बोरी–f sac
मिल–f usine
बेहूदा absurde, ridicule
विश्री श्रीहीन sans éclat, éteint
कल-कारखाना–m usine à machine
कारीगरी–f art, expertise
असंख्य innombrable
विलायती étranger
आगबोटें (स्टीमरें) bateau à vapeur
भद्दा cru, brut, grossier
गंगामैया mère gange
समृद्धि–m prospérité
प्रदान करना accorder
निर्बल faible, sans force
दृश्य–m vue
किस्मत–m में बदा है ? décidé dans son sort/ destin